आरईसी (REC) लिमिटेड को मिला 'महारत्न' कंपनी का दर्जा

Why in news?

- आरईसी लिमिटेड 'महारत्न' कंपनी का दर्जा पाने वाली देश की 12वीं कंपनी बन गई है।
- अभी तक महारत्न में केवल 11 कंपनी थी, REC के महारत्न के दर्जे के साथ कुल महारत्न कम्पनियों की संख्या 12 हो गई है।

आरईसी

REC

असीमित ऊर्जा, अनन्त संभावनाएं

Endless energy. Infinite possibilities.

- सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आरईसी (REC Ltd.) को 'महारत्न' सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज (CPSE) का दर्जा मिल गया है। आरईसी महारत्न का खिताब पाने वाली 12वीं कंपनी है।
- आरईसी का गठन 1969 में हुआ था। यह गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC) है जो देशभर में पावर सेक्टर के फाइनेंस और डेवलपमेंट पर केंद्रित है।

- **महारत्न कम्पनियाँ –**

1. SAIL
2. ONGC
3. NTPC
4. IOCL
5. GAIL
6. BHEL
7. BPCL
8. CIL
9. HPCL
10. PGCIL
11. PFCL
12. REC

- सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को महारत्न कंपनी का दर्जा केंद्र सरकार के भारी उद्योग और सार्वजानिक उद्यम मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है। जिसकी शुरूआत वर्ष 2009 से हुई थी।
- महारत्न एक उपाधि है जिसका उद्देश्य सार्वजानिक क्षेत्र के केंद्रीय उपक्रमों (CPSE) को बढ़ने तथा विश्व की बड़ी कंपनी के रूप में विकसित करना है।

महारत्न कंपनी का दर्जा प्राप्त करने के लिए शर्तें -

- कंपनी नवरत्न में शामिल हो
- शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो
- पिछले तीन वर्षों में कंपनी का औसत वार्षिक कारोबार 25000 करोड़ से अधिक हो
- पिछले तीन वर्षों में कंपनी का औसत वार्षिक कुल मूल्य 15000 करोड़ से अधिक हो
- पिछले तीन वर्षों में कंपनी का औसत वार्षिक शुद्ध लाभ 5000 करोड़ से अधिक हो

Q. कौन सी कंपनी महारत्न में शामिल नहीं है ?

A. BPCL

B. BEL

C. BHEL

D. REC

BYJU'S
EXAM PREP

धन्यवाद